(iii) Availability of safe/convenient mode of transport;

(iv) Maximum utilisation of distribution equipment; and

(v) Viability in operations.

Off-shore oil exploration in the Andaman Sea

856. SHRI NARASINGHA PRASAD NANDA:
SHRI V. C. KESAVA RAO:
SHRI S. K. VAISHAMPAYEN
SHRI YOGENDRA MAKWANA:
SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR:
SHRI SADASHIV BAGAITKAR:
SHRI VISWANATHA MENON:
SHRI BIR CHANDRA DEB BURMAN:
SHRIMATI AMBIKA SONI:
SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI:
SHRIMATI RAJINDER KAUR:
SHRI AHMAD HOSSAIN MONDAL:
SHRI S. A. KHAJA MOHIDEEN:
SHRIMATI PRATIMA BOSE:
PROF. N. M. KAMBLE:

Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government have conducted any survey for the off-shore oil exploration in the Andaman sea;

(b) if so, what are the details in this regard;

(c) by when the drilling operation will be started?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) ONGC conducted reconnaissance geophysical surveys in the Andaman-Nicobar shelf during 1977. The interpretation of the data collected from this survey has indicated the presence of some structures favourable for accumulation of hydrocarbons.

Additional detailed geophysical survey is being conducted presently to fully delineate some of the possible favourable structures before undertaking drilling operations.

(b) Information has been given in the reply to part (a) above.

(c) Depending on the results of the additional survey mentioned in part (a) above, ONGC proposes to take up drilling on 2 structures during the later part of 1979/early 1980.

मध्य प्रदेश में विद्युत परियोजनाओं के लिये इस्पात का आवंटन

857 **श्री लाडली मोहन निगम :** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1977-78, 1978-79 तथा 1979-80 के दौरान मध्य प्रदेश को उसकी विभिन्न विद्युत परियोजनाओं के लिये प्रति वर्ष कितना-कितना इस्पात आवंटित किया गया ;

(ख) क्या यह सच है कि राज्य में विभिन्न विद्युत परियोजनाओं के लिये अपेक्षित राउंड्स, टोरस्टील तथा फ्लैट्स जैसे विभिन्न ग्रेड के इस्पात को प्राप्त करने में कठिनाई महसूस की जा रही है ; और

(ग) यदि हां, तो इन मदों की कमी को पूरा करने के लिये सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

†[**Allotment of steel to power projects in Madhya Pradesh**

857. SHRI LADLI MOHAN NIGAM: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) the quantity of steel allotted to Madhya Pradesh for its various power projects during 1977-78; 1978-79 and 1979-80, year-wise; and

(b) whether it is a fact that difficulties are being faced in the procurement of steel of different grades *viz.* rounds, tor steel and flats required for various power projects in the States; and

(c) if so, what action Government propose to take to meet the shortage of these items?]

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कड़िया मुण्डा): (क) जानकारी प्राप्त की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी ।

(ख) यह सच है कि इस समय इस्पात की कुछ श्रेणियों की कमी है, जिनो गोल छड़ टारस्टील और चपटे उत्पाद भी शामिल हैं जिनकी राज्यों की बिजली परियोजनाओं को आवश्यकता होती है ।

(ग) बिजली परियोजनाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में इस्पात की कमी घरेलु उत्पादन तथा आयात से पूरी करने के प्रबन्ध किए जा रहे हैं ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI KARIA MUNDA): (a) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

(b) It is a fact that at present there is a shortage of certain categories of steel including rounds, tor steel and flats required for power projects in the States.

(c) Arrangements are being made to meet the shortages of steel in the different sectors, including power projects, from indigenous production as well as from imports.]

मध्य प्रदेश तथा आन्ध्र प्रदेश के बीच अन्तर्राज्यीय ट्रांसमिशन लाइन का प्रस्ताव

858 **श्री लाडली मोहन निगम** : क्या **उर्जा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश तथा आंध्र प्रदेश के बीच 220 किलोवाट की अन्तर्राज्यीय ट्रांसमिशन लाइन बिछाने के लिये परियोजना प्रतिवेदन लगभग दो वर्ष पहले सरकार के पास भेजा गया था ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और सरकार ने इस विषय में क्या निर्णय लिया है ?

†[**Proposal for inter-state transmission line between Madhya Pradesh and Andhra Pradesh**

858. SHRI LADLI MOHAN NIGAM: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the project report for laying 220 K.V. inter-state transmission line between Madhya Pradesh and Andhra Pradesh was sent to Government about two years back; and

(b) if so, what are the details in this regard and what decision has been taken by Government in the matter?]

उर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) जी, हां, ।

(ख) इस परियोजना में (मध्य प्रदेश में) बरसर और (आन्ध्र प्रदेश में) लोअर सिलेर के बीच डबल सर्किट टावरों पर 220 के० वी० सिंगल सर्किट लाइन निर्माण करने की परिकल्पना है । इसकी कुल लम्बाई 165 किलोमीटर (145 किलोमीटर मध्य प्रदेश में और 20 किलोमीटर आन्ध्र प्रदेश में) होगी इस परियोजना की लागत 397. लाख रु० (331.25 लाख—मध्य प्रदेश और 66.25

†[ ] English translation.